Department of Political Science, University of Delhi
MA Political Science, Sem-III
Internal Assessment - Nov. 2021

PS-E 10: Dalit-Bahujan Thought

PS-E 10: दलित-बहुजन चिंतन

Date and time: 9 November 2021 (Tuesday), 2:00 PM
Duration: 1.30 hrs
Maximum Marks: 30 पूर्णांक: 30

Important Instructions:

1. Attempt ***both*** question; all questions carry equal marks.
2. The answer copy as PDF must be submitted only via email at dbpt2020@gmail.com
3. Mention your **Name, Exam Roll Number, College Name** and **date of exam** in the email and **first page** of your PDF.
4. Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

महत्वपूर्ण निर्देश:

1. ***दोनों*** प्रश्नों का उत्तर दीजिए; सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
2. उत्तर-पुस्तिका को एक पीडीएफ के रूप में केवल ई-मेल के माध्यम से यहाँ भेजना है: dbpt2020@gmail.com
3. अपना **नाम, परीक्षा क्रमांक**, **महाविद्यालय का नाम,** और **दिनांक** ई-मेल में और पीडीएफ के **प्रथम पृष्ठ** पर लिखिए।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी अथवा हिंदी, किसी एक भाषा में दीजिए; परंतु पूरे उत्तर का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Dalit Bahujan Thought is advanced as a coherent and wholesome body of political ideas which while engaged certainly with the nature and purpose of public life, markedly differed from mainstream political discourse. Discuss.

दलित बहुजन विचार राजनीतिक विचारों का एक सुसंगत और स्वस्थ निकाय है, जो निश्चित रूप से सार्वजनिक जीवन की प्रकृति और उद्देश्य से जुड़ा हुआ है, लेकिन मुख्यधारा के राजनीतिक विमर्श से स्पष्ट रूप से भिन्न है। विवेचना कीजिये।

2. 'Buddha stated that the universe is orderly and there is a key to its working'. Explain the epistemological base of Buddha's Philosophy.

'बुद्ध ने कहा कि ब्रह्मांड व्यवस्थित है और इसके कार्य करने की एक कुंजी है'। बुद्ध के दर्शन के ज्ञानमीमांसीय आधार की व्याख्या कीजिए।